भोपाल हेडलाइंस

RNI: MPHIN/2023/88510

संपादकः- संतोष योगी वर्ष-01 अंक-11 भोपाल, रविवार 29 जून 2025 ईमेलः-santoshyogi755@gmail.com पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया मोबाईनल नं. 9993268143

शिक्षक भर्ती 2018 के समय नहीं था ओबीसी 27 प्रतिशत आरक्षण ,फिर विभाग ने गलत तरीके से क्यों किया लागू

भोपाल

शिक्षक भर्ती 2018 एक लंबे समय से चर्चा का विषय रही है आज भी है भर्ती अधूरी है क्योंकि विभाग ने नियमों में परिवर्तन करके भर्ती को उलझा दिया । ऐसा ही एक अहम मुद्दा शिक्षक भर्ती 2018 से संबंधित है ,

वह मुद्दा है ओबीसी आरक्षण। शिक्षक भर्ती 2018 के चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि जिस समय शिक्षक भर्ती सितंबर 2018 में आई थी उस समय इसकी नियम पुस्तिका में ओबीसी 27प्रतिशत आरक्षण से संबंधित और इसे परिवर्तित करने का नियम नहीं था फलस्वरुप 27 प्रतिशत आरक्षण शिक्षक भर्ती 2018 पर लागू नहीं होना चाहिए। जब 2019 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई और कमलनाथ जी ने ओबीसी आरक्षण 14प्रतिशत से बढ़कर 27प्रतिशत करने की घोषणा की उसके बाद दिसंबर 2019 में यह अस्तित्व में आया जबकि भर्ती का विज्ञापन 2018 में ही जारी हो चुका था।

कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने राजनीतिक लाभ के लिए 2019 में इसे लागू करने का वादा किया

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

कानून पर रोक नहीं तो ओबीसी को 27% आरक्षण क्यों नहीं?

भास्कर न्यूज | जबलपुर

मप्र में ओबीसी को 27% आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल किया है। कोर्ट ने पूछा कि जब ओबीसी आरक्षण को लेकर बने कानून पर रोक नहीं है, तो इसका लाभ परीक्षाओं में चयनित अभ्यर्थियों को क्यों नहीं दिया जा रहा।

जस्टिस केवी विश्वनाथन और एन कोटेश्वर सिंह की अवकाशकालीन खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी। दरअसल, प्रदेशभर के कई परीक्षार्थियों ने याचिका दायर कर कहा है कि वे एमपीपीएससी समेत अन्य परीक्षाओं में चयनित हुए हैं, पर नियुक्ति नहीं दी जा रही। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि सरकार 8 मार्च 2019 को 27% आरक्षण का अध्यादेश लाई। हाई कोर्ट ने 19 मार्च को इस पर रोक लगा दी। हालांकि, 14 अगस्त 2019 को विधानसभा ने विधिवत कानून बनाकर इसे लागू कर दिया। अब कानून पर कोई रोक नहीं है। इसके बावजूद सरकार ने 29 सितंबर 2022 को महाधिवक्ता की राय के आधार पर 87:13 का फार्मूला लागू कर कई भर्तियों के 13% पद होल्ड पर रख दिए।

गया था। इसीलिए अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का कहना है कि ओबीसी आरक्षण का नियम शिक्षक भर्ती 2018 पर लागू नहीं होता है। गलत तरीके से इस भर्ती पर नियम लागू कर इसे उलझा कर विभाग ने युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया है। भर्ती के समय (2018) में बनाए नियमों के आधार पर ही शिक्षक भर्ती 2018 को पूर्ण होना था, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट भी सिविल अपील संख्या 2634/ 2013 पर अपना फैसला दे चुका है ÷ कि खेल के बीच में नियम नहीं बदले जा सकते ÷अर्थात एक बार भर्ती प्रक्रिया शुरू होने पर उसमें फिर उसमें बदलाव नहीं किया जा सकता । लेकिन फिर भी विभाग ने एक ही भर्ती में कभी 27 तो कभी 14 प्रतिशत का नियम लागू करके अपनी सुविधा के हिसाब से नियमों में समय-समय पर संशोधन करके युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया है। 13प्रतिशत पद ही नहीं 13प्रतिशत युवाओं का जीवन भी बर्बाद हो रहा है। राजनीतिक लाभ के चक्कर में इस भर्ती के पूर्ण न होने से कई प्रतिभाशाली युवा जो सभी वर्गों (एसटी, एससी , ओबीसी एवं सामान्य वर्ग) से आते हैं प्रभावित हुए हैं उनका जीवन आज अधर में है। 7 वर्ष का लंबे समय भी जाने के कारण अब यह युवा किसी अन्य परीक्षा को देने के योग्य भी नहीं है। आरक्षण संबंधित याचिकाएं उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है जो मध्य प्रदेश की विभिन्न भर्तीयों से संबंधित है। राजनैतिक पार्टियों की आपसी खींचतान के चक्कर में कई युवाओं के जीवन पर आर्थिक संकट मंडरा रहा है युवा मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान है सरकार को इस विषय में विचार करना चाहिए। शिक्षक भर्ती 2018 को पूर्ण करने के लिए सहज और सीधा रास्ता निकालना चाहिए, ताकि सभी वर्गों के अभ्यर्थियों के साथ न्याय किया जा सके। बॉक्स में दी गई खबर के अनुसार यह निश्चित है कि आरक्षण 2019 में आया था।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का विकासखंड स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन संम्पन्न

औबेदुल्लागंज बजरंग तवर की रिपोर्ट

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय नगर औबेदुल्लागंज में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय वीर सावरकर महाविद्यालय में 25 एवं 26 जून को आयोजित किया गया ,, जिसमें विकासखंड के सभी संकुल प्राचार्य ,,जन शिक्षक,, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी,, संकुल सहसमन्वयक,,नोडल अधिकारीगण विशेष रूप से सम्मिलित हुए । प्रशिक्षण में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आगे की रणनीति, असाक्षरों का सर्वे ,अक्षर साथियों का चिन्हांकन एवं एन आई एल पी एप पर पंजीयन करना ,साक्षरता कक्षाओं का संचालन करना ऐप पर मॉनिटरिंग करना, साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्य,, क्रियान्वयन, लक्ष्य आदि विषय पर विस्तार से चर्चा भी की गई,, इस प्रशिक्षण

के अवलोकन हेतु राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से राज्य शिक्षा केंद्र के साक्षरता के नियंत्रक राकेश कुमार दुबे जी,, आर एस के से ही सुश्री उर्वशी श्रीवास्तव ,, प्रभाकर पांतरे उपस्थित हुए,, जिले से डीपीसी महोदय पीके रैकवार,, जिला सहसमनव्यक साक्षरता डॉ महमूद आलम सिद्दीकी,, एपीसी दीक्षित उपस्थित हुए,, विकासखंड से बीआरसी सतीश कुमार कुशवाहा,, बीएससी प्रदीप मिश्रा,, शुभ्रमणी शर्मा उपस्थित हुए,, प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स आर एस नमचूरिया,, परव चंद चौरे ,, बलराम नागर के द्वारा प्रदान किया गया,, प्रथम दिवस में 8 संकुलो के 190 नोडल ने प्रशिक्षण प्राप्त किया,, दूसरे दिन 6 संकुलो के 140 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया,, ब्लॉक सहसमनव्यक साक्षरता राधेश्याम नमचूरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

नशा व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और परिवार को बर्बाद कर देता है

भोपाल हेडलाइंस 24 से जिला ब्यूरो चीफ जमुना अहरवार केवलारी

केवलारी - महाविद्यालय केवलारी में नशा मुक्ति पखवाड़ा संपन्न, युवाओं को दिया गया जागरूकता का संदेश शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय केवलारी में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 12 जून से 26 जून 2025 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस पखवाड़े का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशा और नशीली दवाओं के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर समाज को नशामुक्त बनाना था।

कार्यक्रम के तहत 26 जून को नशा मुक्त भारत शपथ ग्रहण एवं रैली का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशा से दूर रहेंगे और समाज को भी इस दिशा में जागरूक करते हुए नशा सेवन की प्रवृत्तियों को रोकने में अपना योगदान देंगे। युवाओं के चरित्र निर्माण और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं इस अवसर पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर.के. ठाकुर और डॉ. एम.के. टेमरे ने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि नशा किस प्रकार से व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और परिवार को बर्बाद कर देता है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. लक्ष्मी भांडे के नेतृत्व में यह अभियान महाविद्यालय में व्यापक रूप से चलाया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर.के. ठाकुर ने पूरे आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम युवाओं के चरित्र निर्माण और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता दिखाई।

भारतीय सफाई मजदूर संगठन ने दिया ज्ञापन

भोपाल भारतीय सफाई मजदूर संगठन के भोपाल जिला अध्यक्ष सोनू डागर के नेतृत्व मे भोपाल नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर रुका हुआ एरियास का जल्द भुगतान करने का निवेदन किया जिसमें भारतीय सफाई मजदूर संघ भोपाल जिला कार्यकारिणी कार्यकारी अध्यक्ष नितिन सेंगर ,संगठन मंत्री धीरज कटारे, प्रचार प्रसार मंत्री कृपाशंकर कोटियाना , मोहसिन खान कोलार जिला अध्यक्ष दीपक छापरीबंद एवं आदि संगठन के कार्यकर्ता गण उपस्थित

सरस्वती शिशु मंदिर, सिराली सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया

भोपाल हैडलाइन सिराली संवाददाता
जिला ब्यूरो संजय योगी

सिराली- सरस्वती शिशु मंदिर, सिराली में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के बोर्ड परीक्षा (कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं) में तथा शिशु से 10वीं तक की कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना से हुई। इसके उपरांत बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्रों को सम्मान पत्र एवं गोल्ड मेडल देकर उनके पालकों के साथ सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शिशु से 10वीं तक

की कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मान पत्र व मेडल प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि-अरुण गुर्जर-सह-सचिव, माधव ग्राम भारती शिक्षा समिति, हरदा बिहारीलाल मालवीय-सह-संयोजक, सिराली श्यामसुंदर पाल-मंडल सदस्य संयोजक शिव राम रायखेरे -गायत्री परिवार प्रतिनिधि अतिथियों ने विद्या भारती योजना, शिक्षा, संस्कार और अनुशासन जैसे विषयों पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है, जो परिवार, समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करने वाले नागरिकों का निर्माण करती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भोजन मंत्र, प्रातः स्मरण, शारीरिक शिक्षा, नैतिक शिक्षा तथा विविध शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विकसित करने की कार्यशैली पर भी प्रकाश डाला गया। प्रधानाचार्य शंकरलाल सोलंकी ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया और सभी पालकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया। कार्यक्रम में कक्षा आचार्यों का विशेष सहयोग सराहनीय रहा।